Daily Current Affairs

Date : 20 February, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	'इंडिया स्किल्स क्षेत्रीय प्रतियोगिता' में राजस्थान
2.	राजस्थान में 'कर राजस्व' की वर्तमान स्थिति
3.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. 'किलिंग डिस्ट्रैक्शंस : द परमानेंट फिक्स' – पुस्तक 2. 'स्पेशल ओलंपिक्स भारत नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप' में राजस्थान 3. 'स्पेशल ओलंपिक्स भारत' राष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट में राजस्थान 4. महाराणा प्रताप और गुरु वशिष्ठ पुरस्कार 5. राजस्थान की दूसरी DIAMOnDS लैब 6. हेवी मेटल टेस्टिंग लैब (Heavy Metal Testing Lab)
4.	भारतीय खाद्य निगम (FCI)
5.	भिर्राना स्थल
6.	नारायण गुरु
7.	झारखंड: लुप्त इकोसिस्टम के प्रमाण
8.	UPI लॉन्च के 10 वर्षों बाद डिजिटल भुगतान पर रिपोर्ट
9.	जेंडर बजट के आवंटन में महत्वपूर्ण वृद्धि
10.	राज्यसभा चुनाव
11.	राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (NCAT): 23वाँ स्थापना दिवस
12.	वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम–II (VVP–II)
13.	प्रोजेक्ट वॉल्ट (Project Vault)
14.	होर्मुज जलडमरूमध्य
15.	आकाश मिसाइल प्रणाली
16.	जलीय जिंक-आयन बैटरी: नई कैथोड सामग्री की खोज
17.	गगनयान ड्रोग पैराशूट

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

'इंडिया स्किल्स क्षेत्रीय प्रतियोगिता' में राजस्थान

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान के 17 उम्मीदवारों ने इंडिया स्किल्स वर्ष 2025-26 की क्षेत्रीय प्रतियोगिता (पश्चिम क्षेत्र) में नेशनल स्टेज के लिए क्वालीफाई किया।

मुख्य बिन्दु:

- राजस्थान से चयनित 17 प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 'इंडिया स्किल्स नेशनल कॉम्पिटिशन' में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे, जहाँ जीतने वाले उम्मीदवारों को वर्ल्ड स्किल्स 2026 (शंघाई) में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त होगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **राज्य स्तरीय फाइनल :** जनवरी, 2026 में आयोजित राज्य स्तरीय फाइनल में 63 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले उम्मीदवारों को क्षेत्रीय स्तर पर राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया।

क्षेत्रीय स्तर (Western Region) पर राजस्थान का प्रदर्शन :

- 9 स्वर्ण पदक (प्रत्येक को ₹75,000)
- 8 रजत पदक (प्रत्येक को ₹50,000)
- 10 कांस्य पदक (प्रत्येक को ₹25,000)
- 8 मेडालियन ऑफ एक्सीलेंस।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **इंडियास्किल्स कॉम्पिटिशन :** इंडियास्किल्स कॉम्पिटिशन, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) के तहत नेशनल स्किल डवलपमेंट कॉर्पोरेशन (NSDC) द्वारा आयोजित करवाया जाता है, जो देश का सबसे बड़ा स्किल कॉम्पिटिशन प्लेटफॉर्म है।
- **राजस्थान में नोडल एजेंसी :** राजस्थान में कौशल विकास के लिए राज्य की नोडल एजेंसी राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **इंडिया स्किल्स – 2025 :** राज्य स्तरीय प्रतियोगिता
- **आयोजन :** राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) द्वारा 20 से 24 जनवरी, 2026 तक।
- इस प्रतियोगिता का राज्य स्तर पर आयोजन 10 शैक्षणिक संस्थानों में किया गया।
- **उद्देश्य :** व्यावसायिक क्षेत्रों में कुशल युवाओं की पहचान कर उन्हें प्रशिक्षण और मेंटरशिप प्रदान करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान में 'कर राजस्व' की वर्तमान स्थिति

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान में कुशल वित्तीय प्रबंधन के परिणामस्वरूप राज्य सरकार के कर राजस्व में उल्लेखनीय और सतत वृद्धि दर्ज की गई है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **कर राजस्व :** आय-व्ययक अध्ययन वर्ष 2026-27 के अनुसार वर्ष 2022-23 में राज्य का स्वयं का कर राजस्व ₹87,347 करोड़ था, जो वर्ष 2023-24 में 7.72 प्रतिशत वृद्धि के साथ ₹94,086 करोड़ रुपये हो गया।
- **वर्तमान स्थिति :** राजस्थान का कर राजस्व वर्ष 2024-25 में 9.80 प्रतिशत वृद्धि के साथ ₹1,03,310 करोड़ हो गया।
- राज्य सरकार द्वारा बजट अनुमान 2026-27 में स्वयं के कर राजस्व में ₹1,62,668 करोड़ का लक्ष्य रखा गया है, जो विगत वित्त वर्ष से लगभग 17.41 प्रतिशत अधिक है। साथ ही, यह अनुमानित वृद्धि वर्ष 2023-24 की तुलना में लगभग 72.9 प्रतिशत है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

राज्य सरकार द्वारा आरोपित कर :

- **राज्य वस्तु एवं सेवा कर (SGST) :** यह एक अप्रत्यक्ष कर है जो राज्य सरकार द्वारा राज्य के भीतर (Intrastate) होने वाली वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति पर लगाया जाता है। यह वस्तु एवं सेवा कर (GST) प्रणाली का एक हिस्सा है, जिसे 1 जुलाई, 2017 से देश भर में लागू किया गया था।
- **राज्य उत्पाद शुल्क (State Excise Duty) :** यह राज्य सरकार द्वारा राज्य के भीतर निर्मित या उत्पादित कुछ विशिष्ट वस्तुओं पर लगाया जाने वाला कर है। यह मुख्य रूप से शराब, नशीले पदार्थों और अफीम जैसे उत्पादों पर लगाया जाता है।
- **मुद्रांक शुल्क (Stamp Duty) :** यह संपत्ति के हस्तांतरण या कानूनी दस्तावेजों (जैसे - विक्रय विलेख, लीज डीड) के निष्पादन के समय राज्य सरकार द्वारा लगाया जाने वाला एक कर है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **पंजीयन शुल्क (Registration Fee) :** यह दस्तावेजों को सरकारी रिकॉर्ड में आधिकारिक रूप से दर्ज करने के लिए सरकार को दी जाने वाली सेवा फीस है।
- **भू-राजस्व (Land Revenue) :** यह किसी व्यक्ति के पास मौजूद भूमि या उसकी पैदावार के बदले सरकार द्वारा लिया जाने वाला वार्षिक या आवधिक कर है। यह राज्य सरकार की आय का एक पारंपरिक और प्रमुख स्रोत रहा है।
- **बिक्री कर (Sales Tax) :** यह वस्तुओं की बिक्री के समय खुदरा मूल्य (Retail Price) पर लगाया जाने वाला कर है। भारत में GST लागू होने के बाद अब यह केवल कुछ चुनिंदा उत्पादों (जैसे - पेट्रोल, डीजल और शराब) पर ही लागू होता है, जो GST के दायरे से बाहर हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**'किलिंग डिस्ट्रैक्शंस : द परमानेंट फिक्स' – पुस्तक** ■ जयपुर के लेखक पारितोष शर्मा की पुस्तक 'किलिंग डिस्ट्रैक्शंस : द परमानेंट फिक्स' ने ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफ़ॉर्म अमेजन पर अपनी श्रेणी में बेस्टसेलर-1 का अचीवमेंट हासिल किया। ■ 'किलिंग डिस्ट्रैक्शंस: द परमानेंट फिक्स' (Killing Distractions: The Permanent Fix) एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका है, जो डिजिटल युग में ध्यान भटकाने वाली चीजों (Distractions) से निपटने के लिए एक स्थायी समाधान प्रदान करती है। ■ यह पुस्तक केवल अल्पकालिक हैक्स (Short-Term Hacks) या डिजिटल डिटॉक्स के साथ-साथ जागरूकता के माध्यम से एक स्थायी आंतरिक ढांचा बनाने पर केंद्रित है।
2.	**'स्पेशल ओलंपिक्स भारत नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप' में राजस्थान** ■ स्पेशल ओलंपिक्स भारत नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप' में राजस्थान के खिलाड़ियों ने कुल 27 पदक (7 स्वर्ण, 10 रजत और 10 कांस्य) जीते। ■ इस चैंपियनशिप का आयोजन 2 से 7 फरवरी 2026 तक महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (MDU), रोहतक (हरियाणा) में किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3.	**'स्पेशल ओलंपिक्स भारत' राष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट में राजस्थान** ■ 'स्पेशल ओलंपिक्स भारत' राष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट के लिए 13 जनवरी, 2026 को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राज्य स्तरीय चयन ट्रायल और शिविर का आयोजन किया गया। ■ इस शिविर में चयनित हॉकी टीम फरीदाबाद में 22 से 25 फरवरी, 2026 तक आयोजित होने वाले 'प्रथम स्पेशल ओलंपिक्स भारत राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप' में भाग लेगी। ■ स्पेशल ओलंपिक्स भारत (SO Bharat) बौद्धिक दिव्यांग बच्चों और वयस्कों के लिए एक मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघ है। यह संस्था खेल प्रशिक्षण और प्रतियोगिताएं आयोजित करके बौद्धिक दिव्यांग व्यक्तियों को शारीरिक फिटनेस, आत्मविश्वास और सामाजिक स्वीकृति दिलाने के लिए काम करती है।
4.	**महाराणा प्रताप और गुरु वशिष्ठ पुरस्कार** ■ हाल ही में, राजस्थान के युवा मामले एवं खेल मंत्री राज्यवर्द्धन राठौड़ ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को महाराणा प्रताप और गुरु वशिष्ठ पुरस्कारों से सम्मानित किए जाने संबंधी घोषणा की। ■ **महाराणा प्रताप पुरस्कार :** राजस्थान राज्य खेल परिषद द्वारा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए 'महाराणा प्रताप पुरस्कार' से सम्मानित किया जाता है। महाराणा प्रताप पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 1982-83 में हुई। महाराणा प्रताप पुरस्कार में चयनित खिलाड़ियों को 5 लाख रुपये की नकद राशि, महाराणा प्रताप की पीतल की प्रतिमा, टाई सहित ब्लेज़र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाता है। ■ **गुरु वशिष्ठ पुरस्कार :** राजस्थान राज्य खेल परिषद ऐसे खेल प्रशिक्षकों को गुरु वशिष्ठ पुरस्कार से सम्मानित करती है, जो राज्य के काबिल खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार करती है। गुरु वशिष्ठ पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 1985-86 में हुई। पुरस्कार के तहत 5 लाख रुपये की नकद राशि, गुरु वशिष्ठ की पीतल की मूर्ति, टाई के साथ एक ब्लेज़र और एक प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

5.	**राजस्थान की दूसरी DIAMOnDS लैब** ■ राजस्थान की दूसरी DIAMOnDS लैब (डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ रिसर्च-ऑल इंडिया मेडिकल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक स्टडीज) बीकानेर के आचार्य तुलसी कैंसर रिसर्च सेंटर (सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज) में स्थापित की गई है। ■ उद्घाटन : केंद्रीय विधि और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल। ■ डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ रिसर्च (DHR) एवं भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) के सहयोग से स्थापित यह अत्याधुनिक प्रयोगशाला कैंसर की जाँच हेतु आधुनिक तकनीकों के माध्यम से सटीक निदान और उचित उपचार चयन सुनिश्चित करेगी।
6.	**हेवी मेटल टेस्टिंग लैब (Heavy Metal Testing Lab)** ■ दूषित पानी की समस्या के समाधान और जल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान में हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर में हेवी मेटल टेस्टिंग लैब (Heavy Metal Testing Lab) की स्थापना की जाएगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

भारतीय खाद्य निगम (FCI)

चर्चा में क्यों?

- भारतीय खाद्य निगम और विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) ने चावल की आपूर्ति के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका उद्देश्य भुखमरी से निपटने के उद्देश्य से वैश्विक मानवीय अभियानों में सहायता देना है।

मुख्य बिन्दु:

विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP)

- **स्थापना:** 1961 ई.
- यह संयुक्त राष्ट्र की खाद्य-सहायता शाखा है। यह भुखमरी से निपटने तथा खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने वाली विश्व की सबसे बड़ी मानवीय सहायता संस्था है।

भारतीय खाद्य निगम (FCI)

- **स्थापना:** यह खाद्य निगम अधिनियम, 1964 के तहत स्थापित एक सांविधिक निकाय है।
- **मुख्य कार्य:** अनाज की खरीद, अनाज का भंडारण, बफर स्टॉक प्रबंधन, गुणवत्ता नियंत्रण आदि।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इतिहास एवं संस्कृति

भिर्राना स्थल

चर्चा में क्यों?

- नए शोध से पता चलता है कि सिंधु घाटी सभ्यता पहले के अनुमान से कहीं अधिक पुरानी हो सकती है।

मुख्य बिन्दु:

- उत्तरी भारत के भिर्राना में मिट्टी के बर्तनों और जानवरों के अवशेषों का अध्ययन कर रहे विशेषज्ञों का मानना है कि सिंधु घाटी सभ्यता लगभग 8,000 वर्ष पुरानी हो सकती है।
- यदि इसकी पुष्टि हो जाती है, तो इसका अर्थ यह होगा कि इसकी शुरुआत मिस्र के पहले फिरौन के युग से काफी पहले हुई थी।
    - इतिहासकारों ने प्राचीन विश्व की महान सभ्यताओं को एक क्रम में रखा है, जिसमें सबसे पहले मेसोपोटामिया, फिर मिस्र अपने पिरामिडों और फिरौन और सिंधु घाटी सभ्यता शामिल है।

सिंधु घाटी सभ्यता

- हड़प्पा सभ्यता को विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक माना जाता है, जो लगभग 2600 से 1900 ईसा पूर्व के बीच फली-फूली।
- इसका विकास सिंधु नदी के किनारे हुआ था और इसी कारण इसे सिंधु घाटी सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है।
- इसने वर्तमान पाकिस्तान और उत्तर-पश्चिम भारत के विशाल क्षेत्रों को कवर किया था।
- इसे काँस्य युग की सभ्यता के रूप में पहचाना जाता है क्योंकि यहाँ से ताँबे की मिश्र धातुओं से बनी कई वस्तुएँ प्राप्त हुई हैं ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

नारायण गुरु

चर्चा में क्यों?

- 19 फरवरी, 2026 को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर की नई पुस्तक, "द सेज हू रीइमैजिन्ड हिंदूइज्म: द लाइफ, लेसन्स, एंड लेगेसी ऑफ श्री नारायण गुरु" का औपचारिक रूप से विमोचन किया।

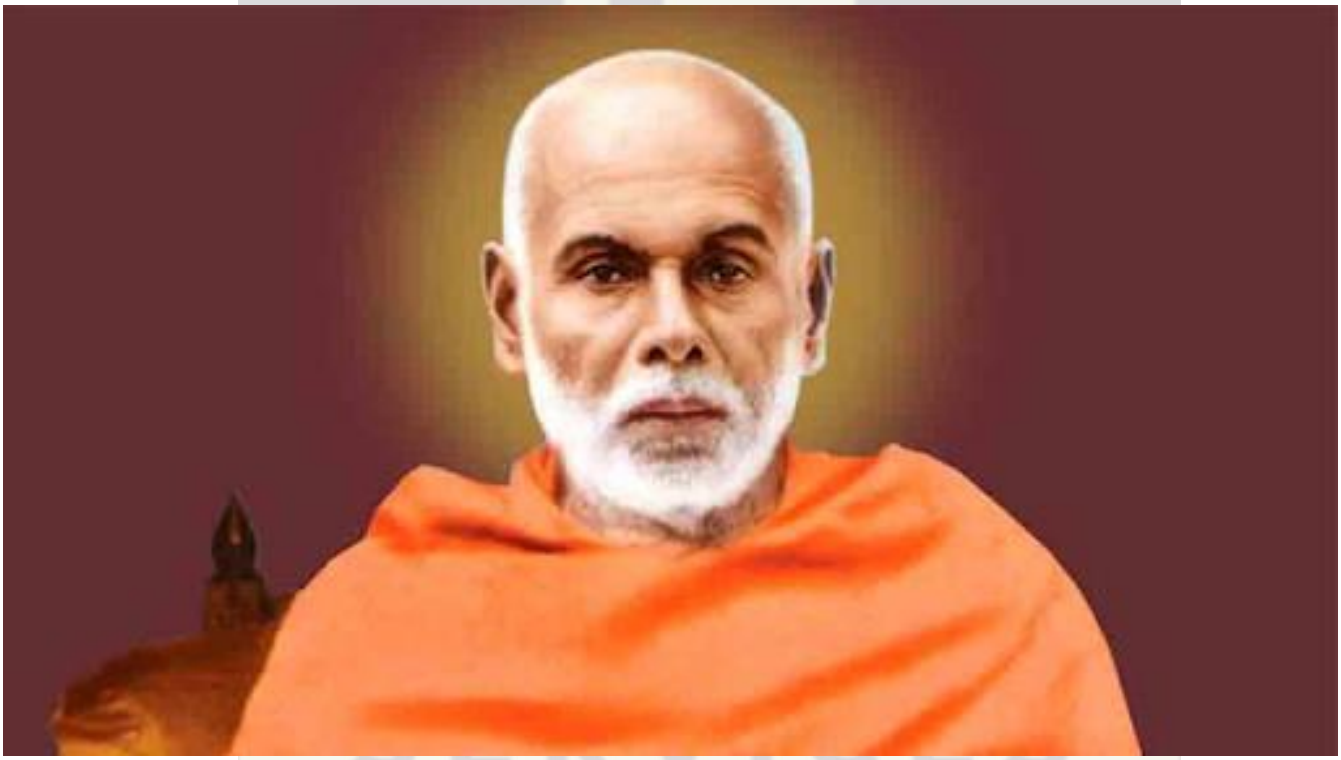

मुख्य बिन्दु:

- एलेफ बुक कंपनी द्वारा प्रकाशित यह जीवनी, 19वीं सदी में केरल में जन्मे उस समाज सुधारक और आध्यात्मिक नेता के जीवन का अन्वेषण करती है, जिन्होंने जातिगत भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।

श्री नारायण गुरु:

- **जन्म:** श्री नारायण का जन्म वर्ष 1856 को केरल के चेम्पाज़ंथी में एझावा जाति (सामाजिक मानदंडों के अनुसार 'अवर्ण') में हुआ था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **दर्शन:**
  - उन्होंने "एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर" (ओरु जति, ओरु माथम, ओरु दैवम, मानुष्यानु) का प्रसिद्ध नारा दिया।
  - जातिगत भेदभाव का विरोध करते हुए समानता, शिक्षा और सामाजिक उत्थान का समर्थन किया।
  - अरुविप्पुरम आंदोलन: वर्ष 1888 में अरुविप्पुरम में भगवान शिव को समर्पित एक मंदिर बनाया, जो उस समय के जाति-आधारित प्रतिबंधों के खिलाफ था।
  - वह आदि शंकराचार्य द्वारा प्रणीत अद्वैतवादी दर्शन, अद्वैत वेदांत के प्रमुख समर्थक रहे।
- **सामाजिक सुधार और राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान:**
  - श्री नारायण धर्म परिपालन योगम: हाशिये पर खड़े लोगों के उत्थान के लिये एक वर्ष 1903 में, उन्होंने संस्थापक और अध्यक्ष के रूप में एक धर्मार्थ समाज, श्री नारायण धर्म परिपालन योगम की स्थापना की।
  - शिवगिरी तीर्थ: वर्ष 1924 में, स्वच्छता, शिक्षा, भक्ति, कृषि, हस्तशिल्प और व्यापार के गुणों को बढ़ावा देने के लिये शिवगिरी तीर्थ की स्थापना की गई थी।
  - शिवगिरी मठ: उन्होंने वर्ष 1904 में शिवगिरी मठ की स्थापना की।
  - श्री नारायण गुरु ने वायकोम सत्याग्रह (त्रावणकोर) को गति प्रदान की।
- **साहित्यिक रचनाएँ:** अद्वैत दीपिका, असरमा, आत्मविलासम, दैव दसकम, थिरुकुरल, थेवरप्पाथिंकंगल, ब्रह्मविद्या पंचकम आदि।

  नोट: श्री नारायण गुरु का अध्यारोप दर्शनम् (दर्शनमला) ब्रह्मांड के निर्माण की व्याख्या करता है।
- **मृत्यु:** वर्ष 1928 केरल में श्री नारायण गुरु ने समाधि ली।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भूगोल एवं भू-विज्ञान

झारखंड: लुप्त इकोसिस्टम के प्रमाण

चर्चा में क्यों?

- झारखंड की खुली कोयला खदानों से एक लुप्त इकोसिस्टम के प्रमाण मिले है, जो मनुष्यों या डायनासोरों के अस्तित्व से भी बहुत पहले विद्यमान था।
- खदानों में दबे साक्ष्यों से घने दलदली जंगलों और नदियों के जाल का पता लगाने में मदद मिली है जो लगभग 30 करोड़ वर्ष पहले दक्षिणी महाद्वीप गोंडवानालैंड के हिस्से के रूप में भारत में व्याप्त थे।

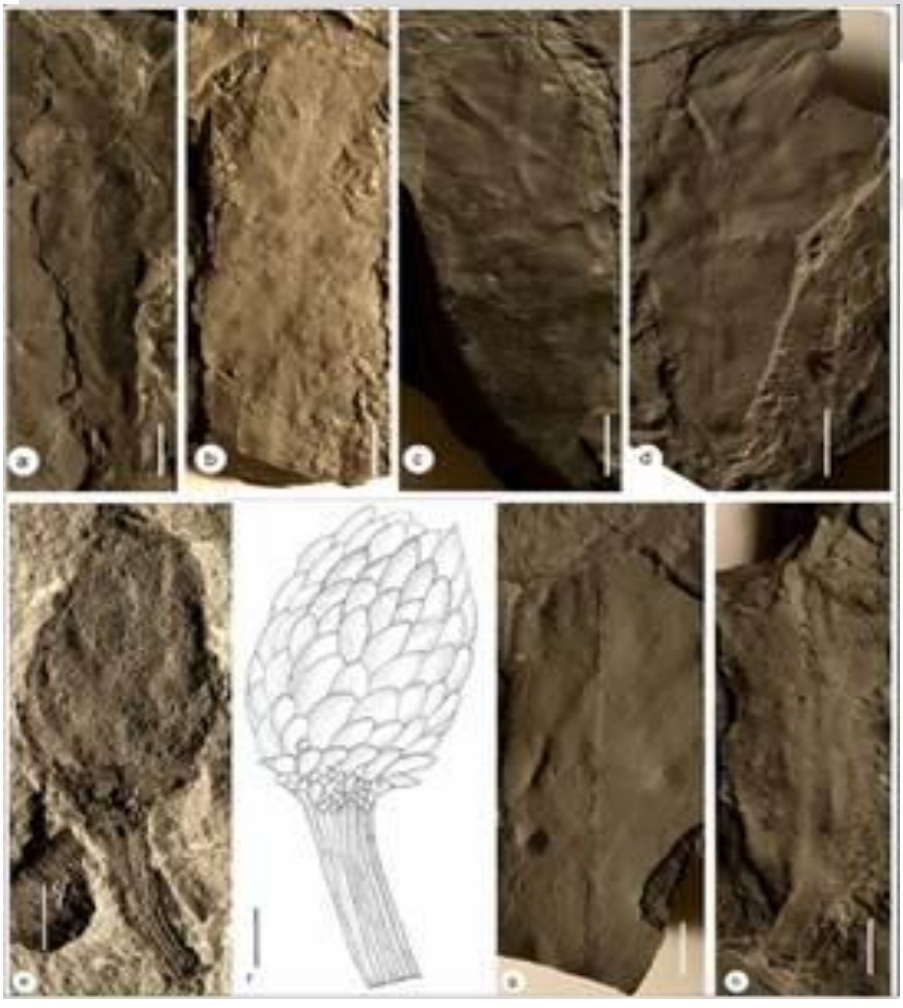

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **शोध संस्थान:** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के एक स्वायत्त संस्थान, बीरबल साहनी जीवाश्म विज्ञान संस्थान (BSIP) के नेतृत्व में किए गए एक नए बहुविषयक अध्ययन में झारखंड के उत्तरी करणपुरा बेसिन में स्थित अशोक कोयला खदान से पुरावनस्पति विज्ञान और भू-रासायनिक साक्ष्य एकत्र किए गए हैं।
- **प्रकाशन:** इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कोल जियोलॉजी में प्रकाशित निष्कर्षों ने उत्तरी करणपुरा कोयला क्षेत्र में अशोका कोयला खदान में समुद्री संकेतों के साथ-साथ कोयला युक्त अनुक्रम के सेडिमेंटेशन इतिहास में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की।
- **खोज का निष्कर्ष:**

1. यह अध्ययन गोंडवाना के उस वातावरण का पुनर्निर्माण करता है जो कभी-कभार समुद्र के स्पर्श से प्रभावित होता था और जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र के स्तर में वृद्धि महाद्वीपीय वातावरण को कैसे नया रूप दे सकती है, इस बारे में जानकारी प्रदान कर सकता है।
2. इस अध्ययन में प्राचीन पौधों के असाधारण जीवाश्म रिकॉर्ड और सूक्ष्म रासायनिक संकेतों का पता चला है, जो मिलकर उस समय के इस लुप्त हो चुके इकोसिस्टम का एक जीवंत चित्र प्रस्तुत करते हैं, जब भारत, अंटार्कटिका, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया मिलकर गोंडवानालैंड का हिस्सा थे।
3. गोंडवाना पर्यावरण और उससे जुड़ी पुरावनस्पति के पुनर्निर्माण से ग्लॉसॉप्टेरिस की प्रचुरता का पता चला, जो बीज वाले पौधों का एक विलुप्त समूह है जिनका कभी दक्षिणी महाद्वीपों पर प्रभुत्व था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4. ग्लॉसॉप्टेरिस और उसकी निकटस्थ प्रजातियों की कम से कम 14 अलग-अलग प्रजातियों के जीवाश्म कोयला खदान में शेल की परतों में नाजुक पत्ती के निशान, जड़ों, बीजाणुओं और पराग कणों के रूप में संरक्षित पाए गए।

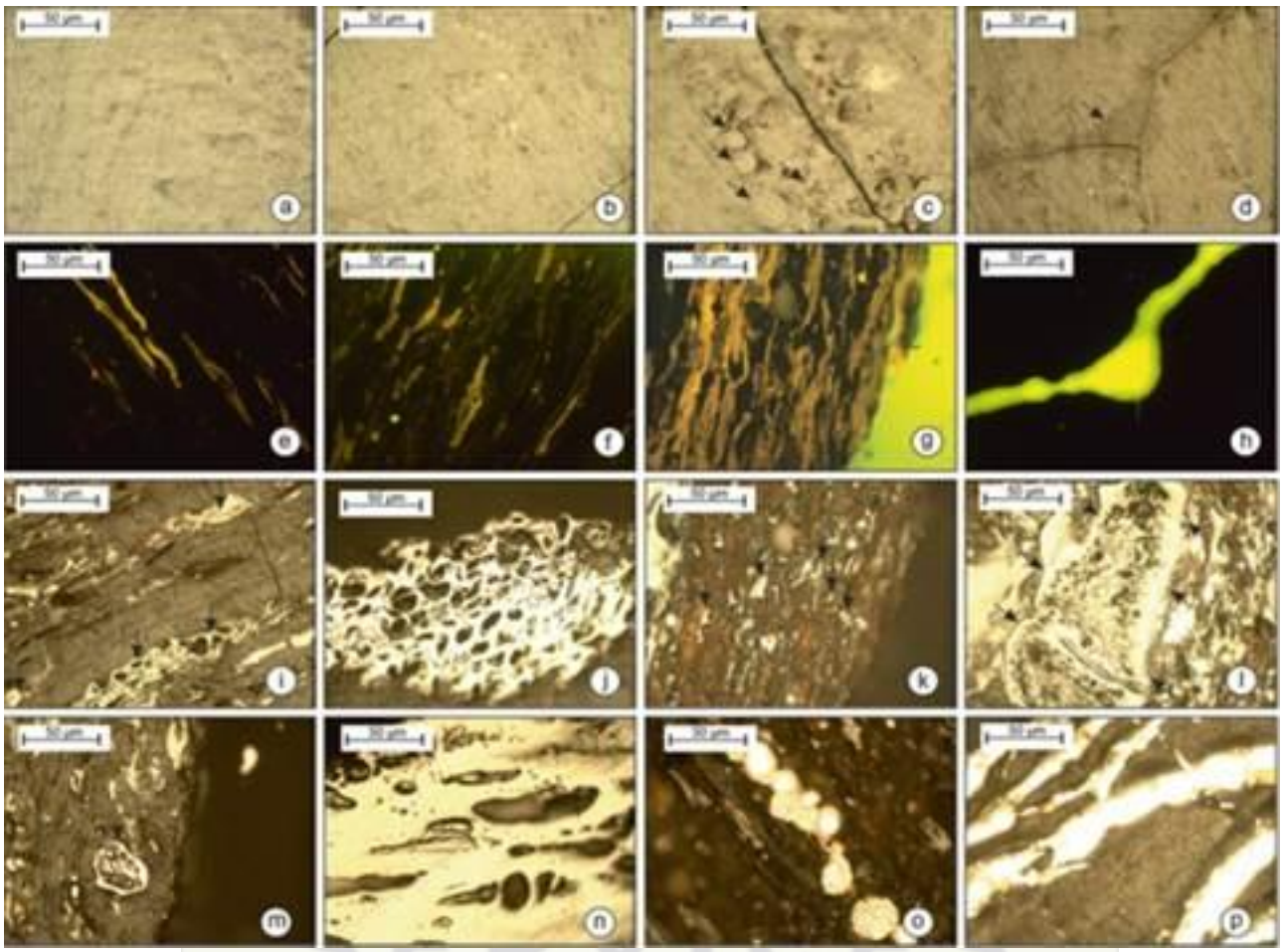

■ **भू-रासायनिक साक्ष्य:**

1. **फ्रैम्बोइडल पाइराइट एवं सल्फर की उच्च मात्रा:** सूक्ष्मदर्शी से कोयले और शेल के कणों की जांच करने पर, उनमें फ्रैम्बोइडल पाइराइट (छोटे रास्पबेरी के आकार के खनिज समूह) और कोयले और शेल में सल्फर का असामान्य रूप से उच्च स्तर पाया गया। इससे खारे पानी की स्थिति का संकेत मिलता है, जो इस बेसिन में कोयले के भंडारों के लिए असामान्य है और इस प्रकार समुद्री घुसपैठ और उसके मार्ग का प्रमाण मिलता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2. **गैस क्रोमेटोग्राफी:** कार्बनिक अणुओं के रासायनिक विश्लेषण (गैस क्रोमेटोग्राफी-मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग करते हुए) से पता चलता है कि लगभग 280-290 मिलियन वर्ष पहले दामोदर बेसिन में समुद्री जीवों का प्रवेश संभव था और यह पूर्वोत्तर भारत से मध्य भारत की ओर बढ़ते हुए पर्मियन सागर के मार्ग को दर्शाता है।

■ **महत्त्व:**

1. दामोदर बेसिन में ग्लॉसॉप्टेरिस के पहले किशोर नर शंकु की खोज एक वैश्विक महत्त्व की खोज है। जो वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद कर सकता है कि ये प्राचीन वृक्ष कैसे उत्पन्न हुए।
2. अतीत में समुद्री अतिक्रमणों और ध्रुवीय बर्फ पिघलने से जुड़े वर्तमान समुद्र स्तर में वृद्धि के बीच समानताएँ बताते हुए, यह अध्ययन चल रहे वैश्विक तापक्रम परिवर्तन के तहत महाद्वीपीय भूदृश्यों पर समुद्री वातावरण के संभावित भविष्य के अतिक्रमण के निहितार्थों पर प्रकाश डाल सकता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत:

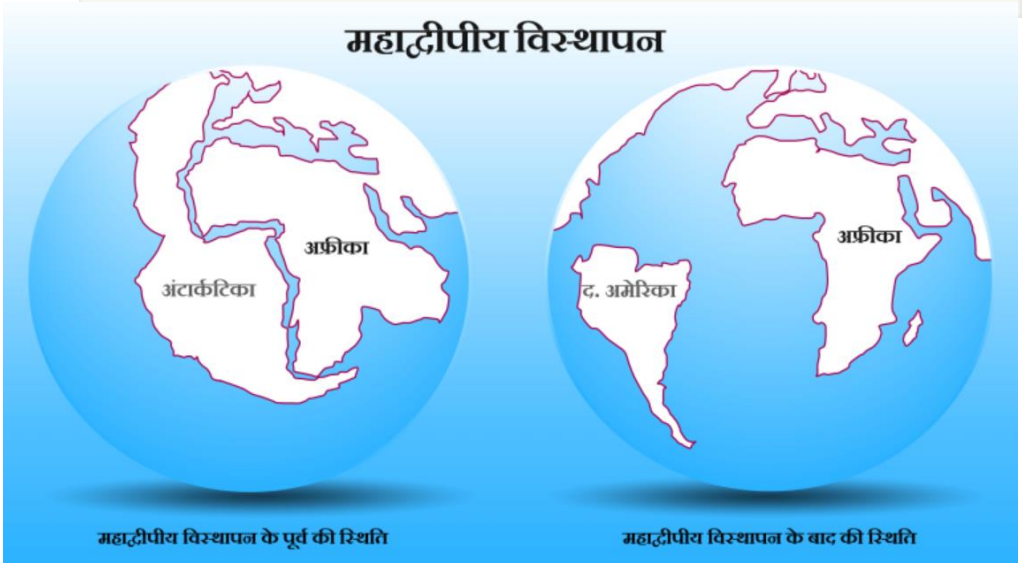

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **प्रतिपादक: प्रो. अल्फ्रेड वेगनर**

सिद्धांत:

- **पैंजिया और पैंथालासा: कार्बनिफेरस युग में समस्त स्थल भाग आपस में एक पिंड के रूप में संलग्न थे इस स्थल पिंड को पैंजिया नाम दिया गया। पैंजिया के चारों ओर एक विशाल जल भाग था, जिसका नामकरण वेगनर ने पैंथालासा के रूप में किया।**

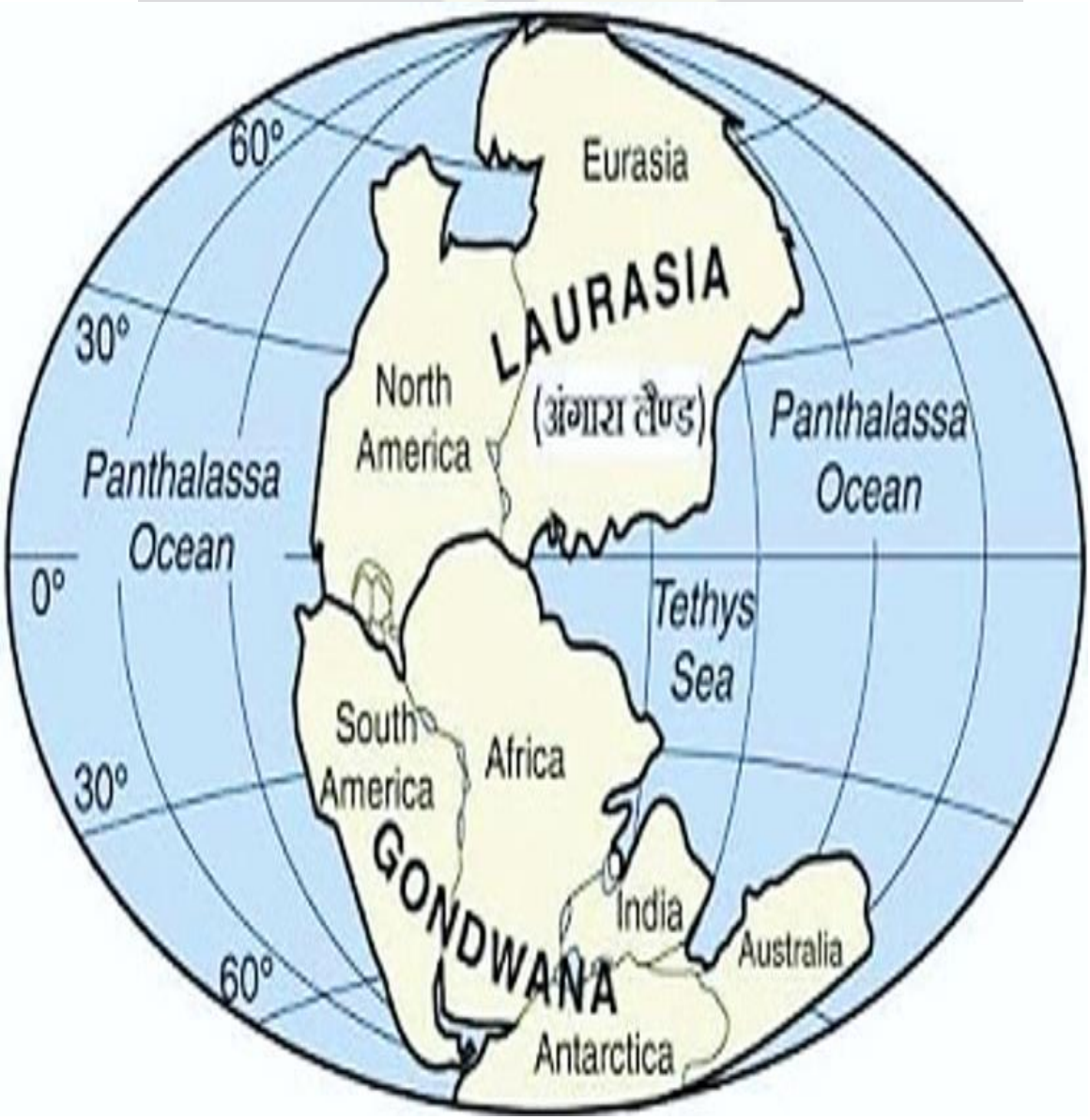

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **पैंजिया का विभंजन:** पैंजिया का उत्तरी भाग लॉरेंशिया तथा दक्षिणी भाग गोण्डवानालैंड को प्रदर्शित करता था। आगे चलकर पैंजिया का विभंजन हो गया तथा स्थल भाग एक-दूसरे से अलग हो गए, यह विभाजन दो दिशाओं में प्रवाह के रूप में हुआ।
    - उत्तर की ओर या भूमध्यरेखा की ओर प्रवाह गुरुत्व बल तथा प्लवनशीलता के बल द्वारा हुआ, जबकि पश्चिम की ओर प्रवाह सूर्य तथा चंद्रमा के ज्वारीय बल के कारण हुआ माना गया है। परिणामस्वरूप महासागरों तथा महाद्वीपों का वर्तमान स्वरूप प्राप्त हुआ।
- **'साम्य की स्थापना' (zigsaw-Fit):** अंध महासागर के दोनों तटों पर भौगोलिक एकरूपता पाई जाती है। दोनों तट एक-दूसरे से मिलाए जा सकते हैं। उत्तरी अमेरिका के पूर्वी तट को दक्षिण अफ्रीका के गिनी खाड़ी तट से मिलाया जा सकता है। वेगनर ने इसे 'साम्य की स्थापना' (zigsaw-Fit) का नाम दिया।
- भूगर्भिक प्रमाणों के आधार पर अंध महासागर के दोनों तटों के कैलिडोनियन तथा हर्सीनियन पर्वत क्रमों में समानता पाई जाती है। महासागर के दोनों तटों पर चट्टानों में पाए जाने वाले जीवावशेषों तथा वनस्पतियों के अवशेषों में भी पर्याप्त समानता पाई जाती है।
- ग्लोसोप्टरिस वनस्पति का भारत, दक्षिण-अफ्रीका, फाकलैंड, ऑस्ट्रेलिया तथा अंटार्कटिका में पाया जाना भी यह प्रमाणित करता है कि कभी ये स्थल भाग आपस में संबद्ध थे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक घटनाक्रम

UPI लॉन्च के 10 वर्षों बाद डिजिटल भुगतान पर रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग, ने "रुपे डेबिट कार्ड और कम मूल्य वाले BHIM-UPI लेन-देन के प्रचार के लिए प्रोत्साहन योजना का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव विश्लेषण" शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है।

मुख्य बिन्दु:

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएँ

- **UPI का दबदबा:** UPI सबसे पसंदीदा लेन-देन माध्यम (57%) बन गया है, जिसने नकद (38%) को पीछे छोड़ दिया है।
- **वैश्विक नेतृत्व:** विश्व के कुल त्वरित भुगतान लेन-देन में भारत की हिस्सेदारी लगभग आधी (49%) है।
- **व्यापारी एकीकरण:** व्यापारियों के बीच UPI अपनाने की दर 94% है, जिसका मुख्य कारण तीव्र लेन-देन और बेहतर रिकॉर्ड-कीपिंग है।
- **आर्थिक प्रभाव:** लागत बचत और दक्षता के माध्यम से, UPI ने 2022 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में अनुमानित $16.2 बिलियन का योगदान दिया।
- **अंतर्राष्ट्रीय विस्तार:** UPI और RuPay अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार कर रहे हैं। UPI वर्तमान में आठ देशों में सक्रिय है। इनमें संयुक्त अरब अमीरात (UAE), सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस, कतर और मॉरीशस शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

जेंडर बजट के आवंटन में महत्वपूर्ण वृद्धि

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय बजट वर्ष 2026-27 में जेंडर बजट के आवंटन में महत्त्वपूर्ण वृद्धि देखी गई, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11.55% की वृद्धि दर्शाता है।
- कुल केंद्रीय बजट में जेंडर बजट की हिस्सेदारी बढ़कर 9.37% हो गई है।

मुख्य बिन्दु:

भारत में जेंडर बजट

- **अर्थ:** यह एक ऐसी प्रणाली है, जो यह सुनिश्चित करती है कि लैंगिक समानता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धताएँ वास्तविक बजटीय आवंटन में परिवर्तित हों।
  - इसका उद्देश्य जेंडर संबंधी चिंताओं के लिए अलग विशेषीकृत बजट बनाना नहीं है, बल्कि सरकारी बजट को 'लैंगिक संवेदनशील दृष्टिकोण' से देखना है।
- **भारत में:** भारत ने औपचारिक रूप से वर्ष 2004-05 में जेंडर बजट को अपनाया था।
  - भारत ने इसे राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर लागू किया है। इसके लिए विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में जेंडर बजट प्रकोष्ठ स्थापित किए गए हैं।
- जेंडर बजट के भाग:
  - भाग A: वे योजनाएँ, जिनमें महिलाओं के लिए 100% प्रावधान हैं।
  - भाग B: वे योजनाएँ, जहां महिलाओं के लिए आवंटन कम-से-कम 30% है।
  - भाग C: इसे केंद्रीय बजट 2024-25 में शामिल किया गया था। इसमें आवंटन 30% से कम होता है।
- **महत्त्व:** यह योजना निर्माण में लैंगिक चिंताओं को एकीकृत करता है, संरचनात्मक असमानताओं को कम करने में मदद करता है और समावेशी विकास को बढ़ावा देता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था

राज्यसभा चुनाव

चर्चा में क्यों?

- भारत निर्वाचन आयोग ने 10 राज्यों में राज्यसभा की 37 सीटों के लिए चुनावों की घोषणा की है।

मुख्य बिन्दु:

- **राज्यसभा का स्वरूप:** यह एक स्थायी सदन है। इसे भंग नहीं किया जाता।
  - हालांकि, प्रत्येक दो वर्ष में इसके एक-तिहाई सदस्य सेवानिवृत्त होते हैं। प्रत्येक सदस्य का कार्यकाल छह वर्ष का होता है।
- **चुनाव की पद्धति:** अप्रत्यक्ष चुनाव, एकल हस्तांतरणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार (अनुच्छेद 80(4))।
- **निर्वाचक मंडल:** प्रत्येक राज्य तथा तीन संघ राज्य क्षेत्रों से राज्य सभा में प्रतिनिधियों का चुनाव संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा किया जाता है।
- तीन संघ राज्य क्षेत्रों (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर) के लिए, राज्य सभा के चुनाव में संबंधित विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य मत देते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

समाजशास्त्र

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (NCAT): 23वाँ स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों?

- 19 फरवरी, 2026 को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (NCST) का 23वाँ स्थापना दिवस नई दिल्ली के विनय मार्ग स्थित सिविल सेवा अधिकारी संस्थान में मनाया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **विमोचन:** आयोग के कामकाज और जिम्मेदारियों का विस्तृत विवरण देने वाली "NCST हैंडबुक" और जुलाई से दिसंबर, 2025 तक आयोग की विभिन्न गतिविधियों का दस्तावेजीकरण करने वाली एक पत्रिका का विमोचन किया।
- **मुख्य फोकस:** आयोग के वर्तमान अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य ने वन अधिकार, भूमि, और जनजातीय लड़कियों की शिक्षा पर जोर दिया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग:

- **परिचय और संवैधानिक प्रावधान:** राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) भारत के संविधान के अनुच्छेद- 338 के तहत् स्थापित एक संवैधानिक निकाय है, जिसका उद्देश्य अनुसूचित जातियों और एंग्लो-इंडियन समुदाय के अधिकारों और हितों की रक्षा करना है।
- **अस्तित्व:** अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए वैधानिक राष्ट्रीय आयोग को 65वाँ संविधान संशोधन विधेयक, 1990 के पारित होने के परिणामस्वरूप अस्तित्व में आया।
  - 65वाँ संविधान संशोधन विधेयक, 1990 के तहत् पहला आयोग 12.03.1992 को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के स्थान पर गठित किया गया था और इस आयोग की स्थापना कल्याण मंत्रालय के वर्ष 1987 के संकल्प के तहत् की गई थी।
  - संविधान (अस्सी-नौवां संशोधन) अधिनियम, 2003 के फलस्वरूप 30.09.2003 के माध्यम से पूर्ववर्ती राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है:
  1. राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग
  2. राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
  - राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के नियम राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (NCSC) द्वारा तैयार किए गए थे और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 20 फरवरी, 2004 को अधिसूचित किए गए थे।
- **मंत्रालय:** जनजातीय मामलों का मंत्रालय
- **संरचना:** अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और तीन अन्य सदस्य।
- राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के वर्तमान अध्यक्ष: अंतर सिंह आर्य
- **नियुक्ति:** राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त
- **कार्यकाल:** 3 वर्ष
- **वार्षिक रिपोर्ट:** राष्ट्रपति

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-II (VVP-II)

चर्चा में क्यों?

- 20 फरवरी, 2026 को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने असम के कछार ज़िले के नाथनपुर गांव से वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-II (VVP-II) को आधिकारिक रूप से लॉन्च किया।
- जिससे इसका रणनीतिक दायरा चीन की सीमा से आगे बढ़कर पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और म्यांमार की सीमाओं पर स्थित 1,954 रणनीतिक गांवों तक विस्तारित हो जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** यह एक केंद्रीय क्षेत्र योजना (100% केंद्र द्वारा वित्त पोषित) है जिसे अप्रैल, 2025 में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था, जो 'सुरक्षित, मज़बूत और समृद्ध बॉर्डर कम्युनिटीज़' के लिए विकसित भारत@2047 की परिकल्पना के अनुरूप हैं।
- **नोडल मंत्रालय:** केन्द्रीय गृह मंत्रालय।
- **समयावधि:** वित्त वर्ष 2024-25 से 2028-29 तक।
- **परिव्यय:** 6,839 करोड़ रुपये, इसमें प्रति गाँव 3 करोड़ रुपये का प्रस्तावित व्यय शामिल है।
- **कवरेज:** VVP-II को 15 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों (UTs) में लागू किया जाएगा।
  - वीवीपी-II के अंतर्गत शामिल राज्य और केंद्रशासित प्रदेश: कार्यक्रम में अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।
- **विषयगत क्षेत्र:** बारहमासी सड़क संपर्क, दूरसंचार संपर्क, टेलीविजन संपर्क और विद्युतीकरण।
- **उद्देश्य:** वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम–II को सैचुरेशन-बेस्ड और कन्वर्जेंस-ड्रिवन अप्रोच के ज़रिए सीमांत गांवों का पूर्ण और सतत विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य के साथ तैयार किया गया है। यह प्रोग्राम ज़रूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने, आधारभूत सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने और रोज़गार के सतत अवसर निर्मित करने पर बल देता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम–I (VVP–I):

- **शुरुआत:** 15 फरवरी, 2023 को केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में की गई थी।
- **उद्देश्य:** चीन सीमा के साथ लगे अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के 19 जिलों के 46 ब्लॉकों में स्थित 2,967 गांवों का व्यापक विकास करना।
- **समयावधि:** वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

प्रोजेक्ट वॉल्ट (Project Vault)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने प्रोजेक्ट वॉल्ट की घोषणा की।

मुख्य बिन्दु:

- यह एक आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा पहल है। इसके तहत अमेरिका में रणनीतिक अति-महत्त्वपूर्ण खनिज भंडार स्थापित किया जा रहा है।
- यह स्वतंत्र रूप से संचालित सार्वजनिक-निजी भागीदारी पहल है। इसके तहत अति-महत्त्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ मृदा तत्त्वों की खरीद और संग्रह किया जाएगा।
  - **उदाहरण:** गैलियम और कोबाल्ट।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

होर्मुज जलडमरूमध्य

चर्चा में क्यों?

- ईरान ने जिनेवा में अमेरिका के साथ वार्ता के बीच लाइव फायर ड्रिल के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को कुछ घंटों के लिए बंद कर दिया।

मुख्य बिन्दु:

होर्मुज जलडमरूमध्य

- यह ओमान और ईरान के बीच स्थित है।
- यह एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। यह फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है।
- अपने सबसे संकरे बिंदु पर इसकी चौड़ाई केवल 33 किमी है।
- **रणनीतिक महत्त्व:** विश्व के कुल तेल व्यापार का लगभग 20–25% इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

आकाश मिसाइल प्रणाली

चर्चा में क्यों?

- रक्षा मंत्री ने आकाश तृतीय और चतुर्थ रेजिमेंट कॉम्बैट सिस्टम्स को हरी झंडी दिखाई। साथ ही उन्होंने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) में माउंटेन फायर कंट्रोल रडार का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम बेंगलुरु में आयोजित हुआ।
- माउंटेन फायर कंट्रोल रडार, वायु रक्षा फायर कंट्रोल रडारों का हिस्सा है।
- यह अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों में संचालन के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है।

मुख्य बिन्दु:

आकाश मिसाइल प्रणाली

- **प्रकार:** मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली वायु रक्षा प्रणाली।
- **विकासकर्ता:** रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO), BEL और भारत डायनामिक्स लिमिटेड (BDL) के सहयोग से।
- **मुख्य विशेषताएँ:**
  - एक साथ कई हवाई लक्ष्यों को निशाना बनाने में सक्षम।
  - 18 किमी तक की ऊँचाई तक सुरक्षा प्रदान करना।
  - 3D सेंट्रल एक्विजिशन रडार, जो 120 किमी तक के वायु-क्षेत्र की निगरानी करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

जलीय जिंक-आयन बैटरी: नई कैथोड सामग्री की खोज

चर्चा में क्यों?

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के एक स्वायत्त संस्थान- सेंटर फॉर नैनो एंड सॉफ्ट मैटर साइंसेज (CEBS), बेंगलुरु के शोधकर्ताओं ने सल्फर रिक्ति-प्रेरित 1टी-फेज मोलिब्डेनम डाइसल्फाइड (1T-MoS_2) का संश्लेषण किया है, एक ऐसा पदार्थ जो जिंक बैटरी को बड़े पैमाने पर ग्रिड भंडारण के लिए अधिक व्यवहार्य बना सकता है।

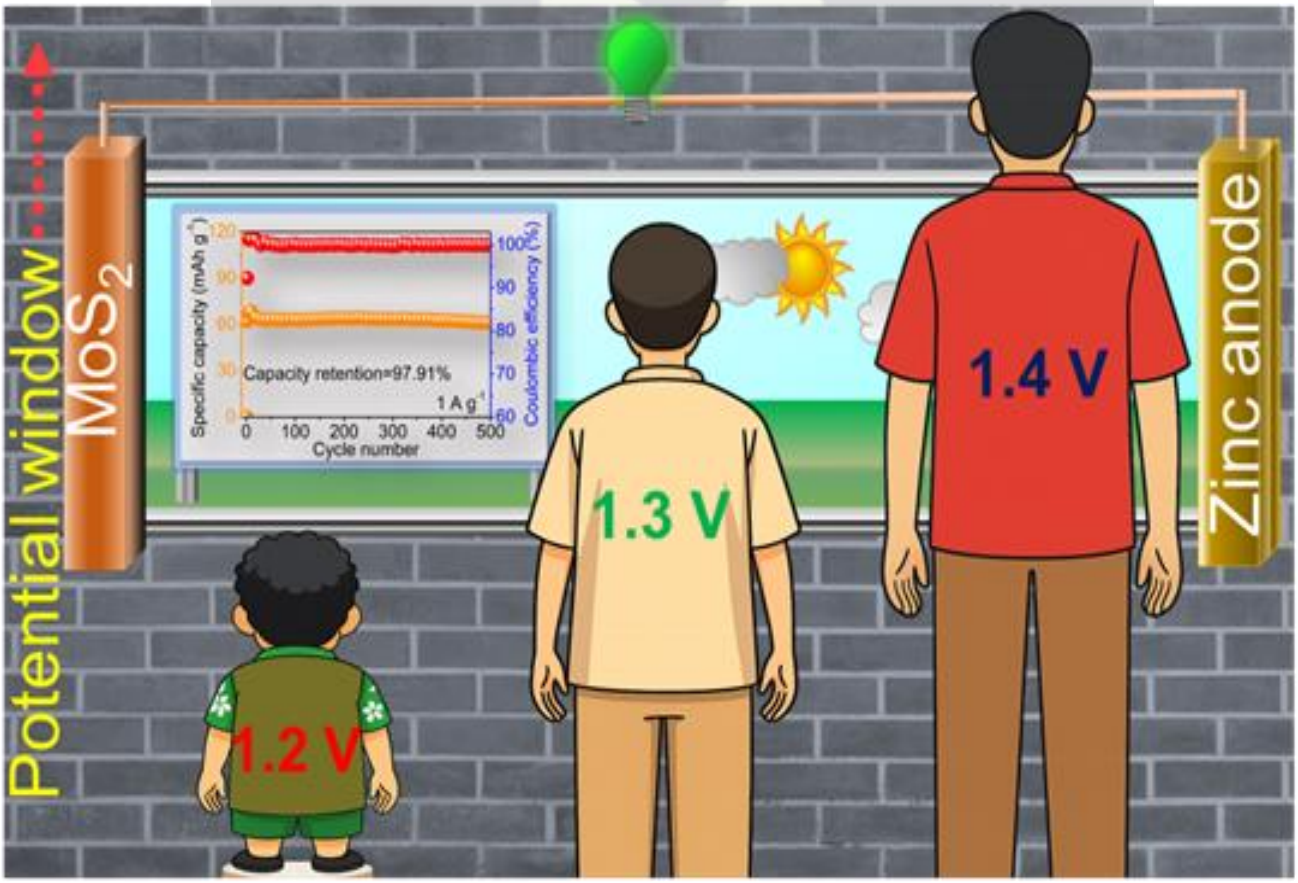

मुख्य बिन्दु:

- **प्रकाशन:** अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (ACS) पब्लिशर्स के अंतर्गत प्रकाशित "जर्नल ऑफ एनर्जी एंड फ्यूल" में प्रकाशित शोध कार्य में उच्च-प्रदर्शन वाले कैथोड सामग्रियों के डिजाइन के लिए एक व्यापक कार्य योजना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **खोजकर्त्ता संस्थान:** सेंटर फॉर नैनो एंड सॉफ्ट मैटर साइंसेज (CEBS), बेंगलुरु
- **नई कैथोड सामग्री की खोज:** शोधकर्ताओं ने सल्फर रिक्ति-प्रेरित 1T-फेज मोलिब्डेनम डाइसल्फाइड (1T-MoS_2) को एक नवीन कैथोड सामग्री के रूप में विकसित किया, जिससे जलीय जिंक-आयन बैटरी का प्रदर्शन और स्थिरता उल्लेखनीय रूप से बढ़ी।
- **प्रौद्योगिकी आधार; नियंत्रित हाइड्रोथर्मल विधि:** गणेश महेंद्र, डॉ. राहुलदेब रॉय और डॉ. आशुतोष कुमार सिंह की टीम ने सल्फर की कमी वाले 1टी-फेज 1T-MoS_2 नैनोफ्लेक्स का उत्पादन करने के लिए सावधानीपूर्वक नियंत्रित हाइड्रोथर्मल विधि का उपयोग किया।
- **प्रदर्शन मानक:**
  - आदर्श वोल्टेज सीमा: 0.2–1.3 V (Zn^{2+} /Zn के सापेक्ष)
  - चक्रीय स्थिरता: निर्मित जिंक-आयन बैटरी ने उल्लेखनीय चक्रीय स्थिरता प्रदर्शित की, और 1 A g^{-1} की उच्च धारा घनत्व पर 500 निरंतर चार्ज-डिस्चार्ज चक्रों के बाद भी अपनी प्रारंभिक क्षमता का 97.91 प्रतिशत बरकरार रखा।
  - उच्च प्रतिवर्तनीयता: इस उपकरण ने 99.7 प्रतिशत की कूलॉम्बिक दक्षता प्रदर्शित की, जो न्यूनतम दुष्प्रभाव के साथ जिंक-आयन के अत्यधिक प्रतिवर्ती सम्मिलन और निष्कर्षण को दर्शाती है।
- **जलीय जिंक-आयन बैटरियों के लाभ:**
  - जल-आधारित इलेक्ट्रोलाइट → किफायती, सुरक्षित, कुशल और पर्यावरण-अनुकूल बैटरी निर्माण।
  - जिंक धातु → उच्च सैद्धांतिक क्षमता, प्रचुर उपलब्धता जो ग्रिड पर अक्षय ऊर्जा की भारी मात्रा का भंडारण कर सकती हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

■ **खोज का महत्त्व:**

1. जल-आधारित इलेक्ट्रोलाइट का उपयोग करने वाली जलीय जिंक-आयन बैटरियों को सौर और पवन जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा भंडारण के लिए सुरक्षित, किफायती और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प माना जाता है।
2. जिंक धातु उच्च सैद्धांतिक क्षमता, प्रचुर भंडार और एनोड के रूप में प्रत्यक्ष उपयोग की सुविधा प्रदान करती है। हालाँकि, उच्च क्षमता वाले और लंबे समय तक चलने वाले कैथोड पदार्थों का विकास एक प्रमुख चुनौती बना हुआ है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

गगनयान ड्रोग पैराशूट

चर्चा में क्यों?

- 18 फरवरी, 2026 को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) के चण्डीगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (TBRL) के 'रेल ट्रेक रॉकेट स्लेड' केन्द्र में गगनयान कार्यक्रम के लिए पैराशूट का क्वालीफिकेशन स्तर का लोड परिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **परीक्षण स्थल:** यह परीक्षण चंडीगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (TBRL) की रेल ट्रैक रॉकेट स्लेज (RTRS) सुविधा में किया गया।
- **उद्देश्य:** गगनयान चालक दल मॉड्यूल (Crew Module) को पुन: प्रवेश (re-entry) के दौरान स्थिर करना और उसकी गति को कम करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **सहयोग:** इसमें विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC), एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (ADRDE), इसरो (ISRO) और DRDO की टीमों ने मिलकर काम किया।
- **महत्त्व:**
  - यह परीक्षण वास्तविक उड़ान भार से अधिक भार (loads) को झेलने की पैराशूट की क्षमता को प्रमाणित करता है, जो अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी के लिए अनिवार्य है।
  - यह परीक्षण उच्च शक्ति वाले 'रिबन पैराशूट' के डिजाइन और निर्माण में भारत की विशेषज्ञता को सिद्ध करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR